मुख्यालय दक्षिण बंगाल फ्रंटियर, कोलकाता–71

// प्रेस विज्ञप्ति //

Reference No : 57/2018 **Dated : 10 Oct' 2018**

शहीदों के सम्मान में सीमान्त मुख्यालय, सीमा सुरक्षा बल, दक्षिण बंगाल।

अक्टूबर माह का 21 तारीख, सभी पुलिस बल के सदस्यों के लिए खास होता है। इस दिनांक को सभी बल के सदस्य अपने उन साथियों को श्रद्धांजली देते हैं, जिन्होने देश सेवा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया हैं। इसे देशभर में पुलिस स्मृति दिवस (Police Commemoration Day) के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस 21 अक्टूबर 1959 में चीन की सीमा पर तैनात 10 पुलिस कर्मियों की शहादत की याद में मनाया जाता है, जिन्होने चीनी सेना के साथ जवाबी हमले में युद्ध के दौरान शहादत प्राप्त की थी।

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी सीमा सुरक्षा बल सीमान्त मुख्यालय दक्षिण बंगाल अपने शहीद साथीयों को श्रद्धांजली अर्पीत करता हैं। इस श्रृंखला में आज हम सर्वप्रथम अपने साथी शहीद मुख्य आरक्षक तुसार कान्ती दास को विशेष रूप से याद करना चाहेंगे। शहीद तुसार कान्ती दास, गांव मालीगरिया, पश्चिम मिदनापुर, पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे। दिनांक 14 सितम्बर 2017 को वह 64 वीं बटालियन के अंग्रेल सीमा चौकी पर रात्रि ड्यटी पर तैनात थे, जो कि भारत–बांग्लादेश अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित है। इस सीमा क्षेत्र में प्रायः तस्कर मौके का फायदा उठाकर तस्करी को अंजाम देने का प्रयास करते रहते हैं। मुख्य आरक्षक तुसार कान्ती दास बड़ी ही सजगता से अपनी ड्यूटी निभा रहे थे, ड्यूटी के दौरान लगभग 0420 बजे उन्होने देखा कि एक टाटा इंडिका जीटा गाड़ी (गाड़ी नं0 WB-26 C 7078)) बड़ी ही तीब्र गति से बनगांव अंग्रेल रोड से आ रही थी। संका होने पर उन्होंने गाड़ी को रोकने का इशारा किया परन्तु पुलिस को देखते ही गाड़ी के चालक ने गाड़ी की गति और बढ़ा दी, मुख्य आरक्षक तुसार कान्ती दास रोकने का हर सम्भव प्रयास करते रहे, परन्तु तस्कर ने अपनी गाड़ी मुख्य आरक्षक तुसार कान्ती दास पर चढ़ा दी जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गये, उन्हे अविलम्ब अस्पताल ले जाया गया परन्तु तबतक

बहुत देर हो चुकी थी। इस प्रकार अपने अदम्य साहस और दृढ़ता का परिचय देते हुए मुख्य आरक्षक तुसार कान्ती दास ने देश की सेवा में अपने प्राण न्योछावर कर दिए। सीमा सुरक्षा बल परिवार आज अपने इस शहीद और उनके परिवारजनों को सादर नमन करता है। आज हमारे देशवासी ऐसे ही वीरों के त्याग और बलिदान के कारण सुरक्षित हैं।

(प्रभात कुमार सिंह)
उप कमांडेंट (सामान्य)
वास्ते उपमहानिरीक्षक(सामान्य)